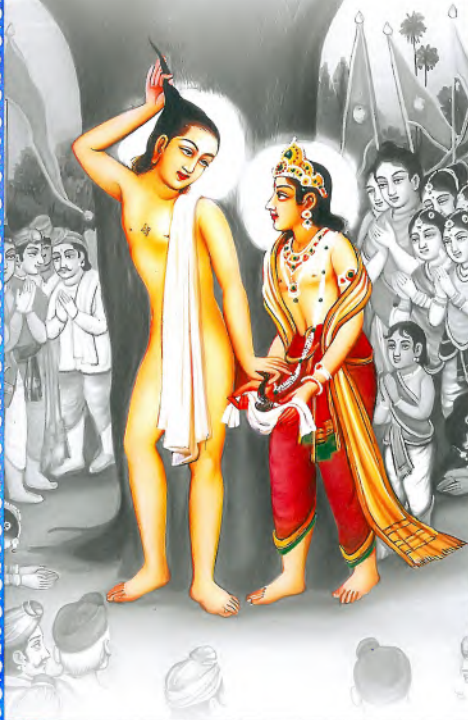


दीक्षा कल्याणक

तरसता हूँ

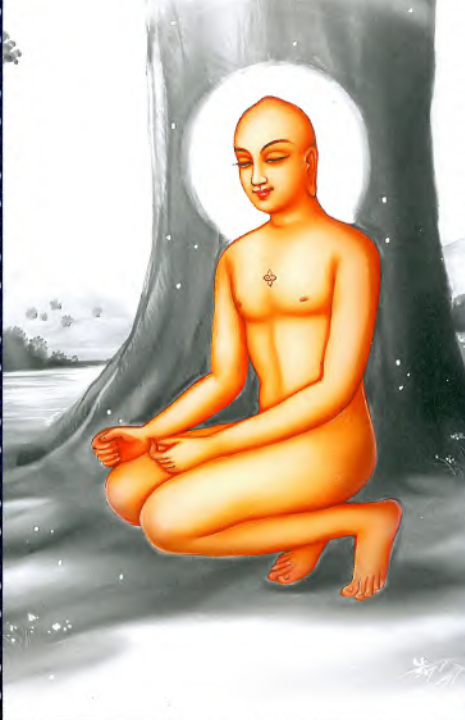
संसार की समाप्ति लाकर दे
वैसी भाव-प्रव्रज्या को।



केवलज्ञान कल्याणक

तरसता हूँ

ऐसे आत्मज्ञान को
जो केवलज्ञान का बीज बना रहे।



निर्वाण कल्याणक

तरसता हूँ

ऐसी निर्माणयात्रा को
जो निर्वाण की मंजिल तक
पहुँचकर ही रुकती है।

